जलवायु परिवर्तन और कार्यस्थल पर गर्मी का तनाव रिपोर्ट

स्रोत: WHO

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने संयुक्त रूप से **"जलवायु परिवर्तन और कार्यस्थल पर गर्मी का तनाव (हीट स्ट्रेस)"** शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें **जलवायु परिवर्तन** के कारण **विश्व भर के श्रमिकों के लिये** बढ़ते अत्यधिक तापमान से उत्पन्न वैश्विक स्वास्थ्य जोखिमों पर प्रकाश डाला गया है।

श्रमिकों पर हीट स्ट्रेस (गर्मी का तनाव) का प्रभाव

- **मुख्य निष्कर्ष:**
  - **अत्यधिक हीट वेव लगातार और तीव्र** होती जा रही हैं, कई **क्षेत्रों में दिन का तापमान 40-50 डिग्री सेल्सियस** से अधिक हो रहा है, जिससे **बाहरी और भीतरी** दोनों प्रकार के कामगार प्रभावित हो रहे हैं।
  - **20 डिग्री सेल्सियस** से ऊपर हर डिग्री पर श्रमिकों की उत्पादकता **2-3% कम** हो जाती है। **स्वास्थ्य जोखिम जिनमें हीटस्ट्रोक**, **निर्जलीकरण**, **गुर्दे** और **तंत्रिका संबंधी विकार** शामिल हैं, जो अब लगभग **आधी वैश्विक आबादी** को प्रभावित करते हैं तथा **हीट स्ट्रेस भूमध्यरेखीय क्षेत्रों** से आगे भी फैल रहा है।
  - विश्व स्तर पर 2.4 बिलियन से अधिक **श्रमिक अत्यधिक गर्मी का** सामना करते हैं, जिसके कारण **प्रतिवर्ष 22.85 मिलियन** व्यावसायिक दुर्घटनाएँ होती हैं (ILO)।
- **कमज़ोर समूह: कृषि, निर्माण और मत्स्य पालन में मैनुअल श्रमिक, मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध वयस्क, कम आय वाली आबादी, विकासशील देशों में बच्चे और बुजुर्ग।**
- **सिफारिशें: व्यावसायिक ऊष्मा-स्वास्थ्य नीतियाँ** तैयार करना; **श्रमिकों**, **नियोक्ताओं** और **स्वास्थ्य पेशेवरों** के बीच **जागरूकता** बढ़ाना; **स्थानीय रूप से प्रासंगिक रणनीतियों के सह-निर्माण** में **हितधारकों** को शामिल करना।
  - **व्यावहारिक**, **किफायती** और **सतत् समाधान** लागू करना; **प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना**; **अनुसंधान** और **मूल्यांकन** को बढ़ावा देना।
  - यह **संयुक्त राष्ट्र SDG 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण)** , **SDG 8 (सभ्य कार्य और आर्थिक विकास)** और **SDG 10 (कम असमानताएँ) के अनुरूप है**।

और पढ़ें: भारत में हीट वेव

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/climate-change-and-workplace-heat-stress-report